अमृत विचार

बरेली महानगर

बरेली के प्रमुख स

- रक्षाबंधन: बहनों को मुफ्त
- बारिश से कम हो रही सड़
- बरेली कॉलेज में एलएलबी

बरेली , सोमवार, 11 अगस्त 2025

PAGE NO. IV: BOTTOME

आयोजन | एसआरएमएस रिद्धिमा में मुशायरे की एक शाम बज्म ए सुखन का आयोजन

उसके नजदीक मेरा प्यार वफा कुछ भी नहीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

रिद्धिमा में मुशायरे की एक शाम बज्म ए सुखन में कलाम पेश करते शायर।

अमृत विचार: श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में रविवार शाम मुशायरे की एक शाम बज्म ए सुखन का आयोजन किया गया। इसमें बरेली, बदायूं, दिल्ली और आसपास के शायरों ने अपने कलाम से इश्क और मुहब्बत का तो जिक्र किया ही, अपने शेर में मां-बाप की व्यथा के साथ ही सामाजिक व्यवस्था को भी उजागर किया।

मुशायरे का आगाज बरेली के शायर सलमान आरिफ ने अपने कलाम 'या खुदा, कैसे इम्तिहान में हूं, जमीं-बाजू में उड़ान में हूं, पत्थरों से भी दोस्ती कर ली, जब से मैं कांच के मकान में हूं, रिश्ते कायम हैं आज दौलत पर, मैं जाने किस गुमान पर हूं' से किया। इसके बाद मंच संभाला बदायूं के शायर जुबैर मिर्जा ने। उन्होंने 'जान कहते हैं तुमको तुम्हारे बिना, पाक कहते हैं तुमको तुम्हारे बिना, बोल सकता नहीं हूं मैं तुमको तुम्हारे बिना, बात कहता हूं तुमको तुम्हारे बिना' सुनाया। बरेली के अभिषेक अग्निहोत्री ने अपने कलाम में सामाजिक व्यवस्था पर चोट किया। उन्होंने 'जो सीधा है उसे उल्लू बनाकर, वो अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं, जिन्होंने भाव सस्ता कर रखा है, उन्हीं से दिल का सौदा कर रखा है' सुनाया।

दिल्ली की शायरा मुस्कान मजीद ने अपने कलाम में मां-बाप का जिक्र करते हुए सुनाया कि 'टुकड़ा जिगर का दे दिया मां- बाप ने, मगर बरात कह रही है खाना पसंद नहीं है, मुस्कान जब से रूठ के गया है मुझ से, वो उस दिन से मुझे सजना सवरना पसंद नहीं'। बरेली के शायर बिलाल राज बरेलवी ने कलाम पढ़ा- ''उसके नजदीक मेरा प्यार वफा कुछ भी नहीं, यानी अब जान लुटाने का सिला कुछ भी नहीं, तेरी बातें किसी नेता की तरह लगती हैं, सिर्फ वादे किये तूने, किया कुछ भी नहीं, हम फकीरों के पास कुछ नहीं देने को, बस दुआ है, दुआ के सिवा कुछ भी नहीं,'। दिल्ली के अभिनव अतीक ने 'अब के अपनों के लिए अपनों से ही लड़ना, मुझ में डाले गए आदाब निकाले जाएं, कैसे जंगल के परिंदों की सहादत देखें, यहां से सूखे हुए तालाब निकाले जाए, पढ़ा।

मुशायरे का संचालन अश्वनी चौहान ने किया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरोत्रा, सुभाष मेहरा, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. मनोज टांगड़ी, डॉ. रीटा शर्मा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।